शिव आरती (बुढ़वा महादेव)

अमाँव,बलिया,उत्तर-प्रदेश

कब से पुकारत देर भई ।
भगवंत बिलम्ब कहाँ करि दीन्हों ।।
सुमिरत भक्तन पीर मिटै ।
दुःख दारुन भीर सबै हरि लीन्हों ।।
दानी ओ डमरू वाले , स्वामी ओ जटा वाले ।
हे बाबा सब मिल , उतारे तेरी आरती।।
सभी मिल आरती गाओ ।
मेरे भोले पधारे हैं ।।
गले में सर्प की माला , कर त्रिशूल धारे हैं ।
सिर पर पावनी गंगा ,माथे चंद्र धारे हैं ।।
सभी मिल आरती गाओ ।
मेरे भोले पधारे हैं ।।
रिझाने आज आये हैं ।
रिझा कर आज जायेंगे ।।
दया की भीख दे दो देव ।
शरण में हम तुम्हारे हैं ।।
सभी मिल आरती गाओ ।
मेरे भोले पधारे हैं ।।
सभी मिल आरती गाओ ।
मेरे भोले पधारे हैं ।।
सभी मिल आरती गाओ ।
मेरे भोले पधारे हैं ।।

-डॉ संजय राय